अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग-हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

मार्च - 2015

अंक योजना - समाज शास्त्र (039) कोड संख्या 62/1

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

1. मुल्यांकन योजना केवल सुझाव मात्र है तथा मुख्य निर्देश हैं न कि पूरे उत्तर हैं।

2. समाज शास्त्र में विद्यार्थी अपने विचार दे सकता है, यदि वे प्रश्न से मेल खाते हैं तो उसी के अनुसार अंक प्रदान करें।

3. माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका की फोटो कापी ले सकता है, अतः मुल्यांकन कत्ताओं से निवेदन है कि उत्तरों की जाँच, मुल्यांकन योजना एवं पाठय क्रम के अनुसार ही करें ताकि विद्यार्थी के साथ न्याय हो।

4. सभी परीक्षकों से निवेदन है कि यदि पूरा उत्तर गलत हो तो उस पर क्रास (X) लगाऐं तथा जीरों अंक प्रदान करें।

5. प्रश्न संख्या 1 से 14 तक 2 अंक प्रत्येक प्रश्न।

   प्रश्न संख्या 15 से 21 तक 4 अंक प्रत्येक प्रश्न।

   प्रश्न संख्या 22 से 24 तक 6 अंक प्रत्येक प्रश्न।

   प्रश्न संख्या 25 अनुच्छेद के आधार पर 2 तथा 4 अंक।

अखिल भारतीय सीनियर सैकन्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा इतिहास

प्रश्न-पत्र-संख्या (039) 62/1

अंक योजना 2015

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
1	**औपचारिक जनांकिकी सामाजिक जनांकिकी से किस प्रकार भिन्न है ?**	
उ.	औपचारिक जनांकिकी :- ● मात्रा का अध्ययन ● विश्लेषण ● नाप ● साख्यिकीकी ● गणित ● गणना तथा वर्णन (कोई एक)	1
	सामाजिक जनांकिकी :- (i) सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक विषयों पर केन्द्रित (ii) जनसंख्यां सरचना एवं परिवर्तन के कारण तथा प्रभाव का पता लगाना (iii) सामाजिक प्रक्रियाऐं एवं संरचना जनांकिकी प्रक्रिया को नियमित करती है। (iv) जनसंख्या विषय के सामाजिक कारणों की जाचें करती है। (कोई एक)	1
2	**उदारीकरण की किन्हीं दो हानियों का उल्लेख कीजिए।**	
उ.	(i) छोटी तथा स्थानीय कम्पनियों/उत्पादकों को बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ आना होता है परन्तु मुकाबला करने में असक्षम हो जाते हैं। (ii) कुछ क्षेत्रों जैसे आटोमोबाइल, इलैक्ट्रोनिक्स आदि को कोई लाभ नहीं हुआ क्यों विदेशी उत्पादों से मुकाबला नहीं कर सकते (iii) अब भारतीय किसानों को भी दूसरे देशों के किसानों से मुकाबला करना पड़ता है जैसा कि कृषि उत्पादों को आयात की अनुमति दे दी गई है। (iv) सर्मथन मुल्य तथा सहायता राशि कम कर दी है या कुछ वापिस लेने के कारण किसानों पर प्रभाव पड़ा है। (अन्य सम्बन्धित उचित बिन्दु) (कोई दो)	1+1

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
3	**अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए दिए गए संविधानात्मक प्रावधानों में से किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए।**	
उ.	अनुच्छेद 29 :- (i) भारत के राज्य क्षेत्र या उसके किसी भाग में रहने वाले नागरिकों को अपनी विशेष भाषा, लिपि या संस्कृति को बनाऐ रखना। (ii) राज्य द्वारा पोषित या राज्य से सहायता लेने वाले किसी शिक्षा संस्था में धर्म, जाति, भाषा, मूल वंश आदि के आधार पर किसी नागरिक को दाखिलें से मना न करना। अनुच्छेद 30 :- (i) धर्म तथा भाषा के आधार पर सभी अल्प संख्यक वर्ग अपनी रूचि के अनुसार शिक्षा संस्थाओं की स्थापना तथा प्रशासन का अधिकार कर सकते है। (ii) शिक्षा संस्थाओं को राज्य सहायता देने में धर्म तथा भाषा के आधार पर सहायता देने में भेद न करना, कि यह अल्प संख्यक प्रबन्धक के अधीन है। (अल्पसंख्यक से सम्बन्धित अन्य उचित बिन्दु)	1+1
4	**विशेषाधिकृत अल्पसंख्यक कौन होते हैं?**	
उ.	विशेषाधिकार अल्प संख्यक :- अत्यन्त धनवान लोगों जिन्हें किोई सहायता नहीं दी जाती परन्तु वे अल्प संख्यक वर्ग से सम्बन्धित हैं। (कोई अन्य उचित वर्णन)	2
5	**आधुनिकता शब्द में क्या मान्यता निहित है?**	
उ.	आधुनिकता सम्बन्धित है। (i) स्थानीय तथा सीमित संकीर्ण दृष्टिकोण सार्वभौनिक प्रतिबद्धता एवं विश्व जनीन दृष्टिकोण से कम महत्त्व वाले होते हैं। (ii) व्यवहार, विचार, आदि पर परिवार, जाति, वंश का कोई प्रभाव नहीं होता। (iii) व्यवसाय/कार्य चयन पर निर्भर होता है न कि जन्म पर (iv) विज्ञान तथा तर्क पद्धति/भावनाओं से ऊपर होती है। (v) सकारात्मक तथा वांछित मुल्य - मानवतावादी तथा भाग्य वादी प्रवृत्ति से ऊपर। (कोई दो बिन्दु)	1+1

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
6	**पंचायतों के सामाजिक कल्याण के उत्तरदायित्वों को उल्लेख कीजिए।**	
उ.	पंचायतों के सामाजिक दायित्व (i) शमशानों तथा कब्रिस्तानों का रख रखाव। (ii) जन्म तथा मृत्यु का रिकार्ड रखना। (iii) मातृत्व केन्द्रों तथा बाल कल्याण केन्द्रों की स्थापना। (iv) पशुओं के तालाबों का निर्माण तथा नियन्त्रण (v) कृषि से सम्बन्धित गतिविधियों में सहायता। (vi) परिवार नियोजन का प्रचार (कोई दो)	1+1
7	**कृषि एवं संस्कृति किन रूपों में जुड़ी हुई हैं?**	
उ.	कृषि एवं संस्कृति सम्बन्ध (i) सांस्कृतिक रस्मों को कृषि तथा कृषिक (एगरेरियन) प्रणालियों में खोज सकते है जैसे बैशाखी, उगाड़ी आदि। (ii) नव वर्ष त्यौहारों को मनाना जैसा पोगल, बिहु, ओनम (iii) कृषि एक जीवन पद्धति है जैसा कि बहुत सी प्रणालियाँ प्रतिबिम्बीत करती है। (कोई उचित बिन्दु) कोई एक	2
8	**'बेगार' शब्द से आप क्या समझते हैं?**	
उ.	बेगार :- (i) यह वेतन हीन मजदूरी है - निम्न जाति समूह के सदस्य वर्ष में जमीदार या भू-स्वामियों के यहाँ कुछ निश्चित दिनों तक मजदूरी करते हैं। (ii) बहुत से गरीब कामगार पीढ़ियों से भू-स्वामियों के यहाँ सम्बन्धित मजदूर बने रहते हैं - बन्धुआ मजदूर (कोई एक)	2

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
9 उ.	**फोर्डिज़्म एवं उत्तर फ़ोर्डिज़्म (पोस्ट-फोर्डिज़्म) में भिन्नता दर्शाइये।** फोर्डिज़्म :- (i) एक केन्द्रीकृत स्थान पर विशाल पैमाने द्वारा वस्तुओं का उत्पादन - हैनरी फोर्ड द्वारा स्थापना उत्तर फ़ोर्डिज़्म :- (i) अलग-अलग स्थानों पर उत्पादन की लचीली प्रणाली (कोई उचित बिन्दु एवं उदाहरण)	1+1
10 उ.	**पारराष्ट्रीय निगमों की विशेषताएँ बताइए।** पारराष्ट्रीय निगम :- (i) जो एक से अधिक देशों में माल का उत्पादन अथवा बाजार सेवाऐ प्रदान करती है। (ii) छोटी कम्पनियां जिसके एक या दो कारखाने देश से बाहर होते हैं, जहाँ ये मूल रूप में हैं। (iii) वे कम्पनी जिसके कार्यालय तथा उत्पादन विभिन्न देशों में होते हैं। (iv) बड़े विशाल प्रतिष्ठान जो पूरे विश्व में अपनी गति विधियां करते हैं	1+1
11 उ.	**निगम संस्कृति (कोर्पोरेट कल्चर) उत्पादकता और प्रतियोगितापन को कैसे बढ़ा देती है?** निगम संस्कृति द्वारा उत्पादकता तथा प्रतियोगिता को बढ़ाना (i) यह फर्म के सभी सदस्यों को लेकर एक अदभुत संगठनात्मक संस्कृति का निर्माण करती है तथा उत्पादक व प्रतियोगिता को बढ़ाती है। (ii) कम्पनी के कार्यक्रम, रीतियां, परम्पराऐं शामिल करके कर्मचारियों में वफादारी की भावना तथा समूह एकता को बढ़ाती है। (iii) नऐ तरीकों द्वारा उत्पाद बढ़ाना तथा पैकिंग करना। (कोई एक)	2

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
12 उ.	**सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक आन्दोलन के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए।** सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक आन्दोलन (a) सामाजिक आन्दोलन :- (i) सामाजिक आन्दोलन विशिष्ट उद्देश्य की ओर निर्देशित होते है। (ii) ये लोगों द्वारा लम्बा तथा निरन्तर सामाजिक प्रयास है। (b) सामाजिक परिवर्तन :- (i) यह निरन्तर रूप से आगे बढ़ता है। (ii) यह असख्यं व्यक्तियों तथा सामूहिकि गतिविधियों द्वारा विभिन्न समय तथा क्षेत्र का परिणाम है। (a तथा b से कोई एक बिन्दु)	1+1
13 उ.	**एआईटीयूसी (एटक) के बनने से औपनिवेशिक सरकार मजदूरों के प्रति किस प्रकार सावधान (सतर्क) हो गई ?** औपनिवेशिक सरकार सावधान हुई। (i) मजदूरों को कुछ रियायतें देकर असन्तोष कम किया। (ii) कार्य करने के घन्टे कम करके 10 घन्टे किए। (iii) मजदूर संघ अधिनियम पारित किया। (कोई अन्य उचित बिन्दु)	2
14 उ.	**सुधारवादी एवं प्रतिदानात्मक आन्दोलनों में क्या भिन्नता है ?** सुधारवादी तथा प्रतिदानात्मक आन्दोंलनों में अन्तर **सुधारवादी :-** ये वर्तमान सामाजिक तथा राजनीतिक विन्यास को धीमे तथा प्रगतिशील चरणों द्वारा बदलने का प्रयास जैसे सूचना अधिकार अधिनियम। **प्रतिदानात्मक :-** ये अपने व्यक्तिगत सदस्यों के व्यक्तिगत चेतना तथा गतिविधियों द्वारा परिवर्तन जैसे इजहावा समुदाय के (केरल) लोगों ने नारायण गुरू के नेतृत्व में अपनी सामाजिक प्रणालियों को बदला। (कोई अन्य उचित बिन्दु)	1+1

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
15.	**भारत में बच्चों के लिंग अनुपात में कमी होने में क्षेत्रीय विभिन्नता को समझाइए।**	
उ.	निम्न लिंग अनुपात में क्षेत्र :- ● निम्न लिंग अनुपात भारत के सबसे समृद्ध क्षेत्रों में है। ● पंजाब, हरियाणा तथा चण्डीगढ़ में निम्नतम शिशु लिंग अनुपात है जबकि प्रति व्यक्ति आय इनमें सबसे अधिक है। ● चयनात्मक गर्भपात की समस्या गरीबी, दहेज तथा संसाधनों की कमी के कारण नहीं हैं। ● आर्थिक दृष्टि से समृद्ध परिवार एक या दो बच्चे ही अपनी पसन्द के अनुसार चाहते है। (कोई अन्य उचित बिन्दु)	1+1+1+1
16	**भारत में व्यापार और वाणिज्य जाति एवं नातेदारी संजाल (नेटवर्क) द्वारा परिचालित किया जाता है। विवेचना कीजिए।**	
उ.	व्यापार और वाणिज्य जाति तथा नातेदारी संजाल द्वारा ● पूर्व औपनिवेशिक भारत में पारंपरिक समुदायों या जातियों में अपने कर्ज तथा बैंक की व्यवस्थाऐं। ● तमिनाडू के नाकरटारों में जाति आधिरित बृहत्त व्यापार था। ● पारंपरिक व्यापारी समुदाय केवल बनिया (वैश्व) की नहीं बल्कि कुछ दूसरे विशेष धार्मिक समूह भी शामिल थे। ● विनिमय या कर्ज का एक महत्वपूर्ण साधन हुंडी (विनिमय बिल) दूर के व्यापार का महत्त्वपूर्ण साधन था। (कोई अन्य उचित बिन्दु) **अथवा** पूंजीवाद की विशेषता के रूप में पण्यीकरण (काओडीफिकेशन) ● पूँजीवाद की वृद्धि के कारण नए बाजारों का उदय जो पहले नहीं थे।	1+1+1+1

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	● जो वस्तुए पहले व्यापार नहीं होती थी, वे अब बाजार की वस्तुऐं बन गई। ● कोशल तथा श्रम क्रम तथा विक्रय की चीजें बन गई। ● पण्यीकरण की प्रक्रिया द्वारा नकारात्मक सामाजिक प्रभाव भी आऐ। (कोई अन्य उचित बिन्दु)	1+1+1+1
17 उ.	**क्या आरटीआई राज्यों को भारतीयों के प्रति जवाबदेही के लिए बाध्य करने का साधन हो सकता है? विस्तार से समझाइए।** आर.टी.आई. द्वारा राज्यों की प्रतिबद्ध जबावदेही ● संसद द्वारा 2005 में आर.टी.आई. अधिनियम पारित करने पर नागरिकों को सार्वजनिक कार्यालयों से सूचना लेने का अधिकार मिला। ● सार्वजनिक प्राधिकरण द्वारा सूचना देने पर पारदर्शिता को बढ़ावा मिला। ● सरकार द्वारा व्यय की गई राशि की जानकारी। ● नागरिकों को अधिकार मिला कि वे दस्तावेजों, अभिलेखों का निरीक्षण कर सकें तथा सार्वजनिक विषयों की प्रति लिपि ले सकें। (कोई अन्य उचित बिन्दु)	1+1+1+1
18 उ.	**जनजातीय क्षेत्रों में आधारभूत जनतांत्रिक क्रियाशीलता का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।** जन जातीय क्षेत्रों में आधार भूत जनतन्त्र प्रणाली ● जन जातीय क्षेत्रों में अधिक समतावादी तथा बन्धुता आधारित सामाजिक संगठन आधार भूत स्तर पर थे। ● उदाहरण के रूप में :- गारो, खासी तथा जयन्तिया आदि वासियों में 100 वर्ष से पुरानी पांरपरिक राजनीतिक संस्था है। ● ये संस्थाऐं गॉव, वंश तथा राज्य स्तर पर पूरी तरह विकसित एवं कार्यशील थी।	

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	• खासी जन जाति में प्रत्येक वंश की अपनी एक संस्था दरबार कुर थी जिसका अध्यक्ष वंश का मुखिया होता था। (भारत के किसी अन्य जन जाति क्षेत्र का उदाहरण भी वर्णन कर सकते है)	1+1+1+1
19 उ.	**सतीश सबरवाल द्वारा उल्लिखित औपनिवेशिक भारत में परिवर्तन के तीन पक्षों की विस्तार से व्याख्या कीजिए।** औपनिवेशिक भारत में तीन पक्षों द्वारा परिवर्तन - सतीश सबरवाल (i) संचार माध्यम (ii) संगठनों के स्वरूप (iii) विचारों की प्रकृति (उपरोक्त पक्षों का पूरा वर्णन करने पर 4 अंक दें)	4
20 उ.	**संविदा खेती के लाभ और हानियों को रेखांकित कीजिए।** संविदा कृषि :- (a) लाभ (i) कम्पनी द्वारा कार्यकारी पूँजी देना (ii) किसानों को विश्वसनीय बाजार (iii) पूर्व निर्धारित मुल्य पर कम्पनी द्वारा उत्पाद खरीदना (iv) किसानों को आर्थिक सुरक्षा (v) कम्पनी द्वारा फसलों का चयन (vi) कम्पनी फसलें खरीद कर प्रसंस्करण करती हैं तथा निर्यात करती हैं। (b) हानियाँ :- (i) किसान कम्पनी पर आश्रित होकर असुरक्षित बन जाता है। (ii) उत्पादन क्रिया से अलगाव (iii) अर्जित ज्ञान को बेकार कर देना	

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(iv) निश्चित फसलों को उगाना (v) किसानों द्वारा आत्म हत्या-कर्ज की समस्या (vi) उवर्रक व कीटनाशकों का अधिक प्रयोग - पारिस्थितिक संकट (a तथा b से कोई दो-दो बिन्दु)	1+1+1+1
	अथवा **मजदूरों के संचरण की व्याख्या कीजिए।** मजदूरों का संचरण ● समृद्ध कृषि क्षेत्रों की और मौसमी मजदूरों की माँग बढ़ना। ● कम विकसित क्षेत्रों से अधिक मजदूरी के कारण मजदूरों का पलायन। ● विशेष कर सुखाग्रस्त क्षेत्रों से मजदूर सस्ती मजदूरी लेकर शोषित होते है! इन्हे घुमक्कड़ या फुट लुज मजदूर कहते हैं। ● स्थानीय मजदूर बड़े शहरों में चले जाते हैं। ● कृषि मजदूर के रूप में महिलाकरण (कोई चार)	1+1+1+1
21 उ.	**भारतीय उद्योगों में भूमंडलीकरण और उदारीकरण के बाद हुए परिवर्तनों की विवेचना कीजिए।** भूमण्डलीकरण तथा औद्योगीकरण (भारत) ● प्राइवेट कम्पनियों विशेष कर विदेशी फर्मों को उन क्षेत्रों में निवेश के लिए प्रोत्साहित करना जो पहले सरकार के लिए आरक्षित थे। ● उद्योगों को खोलने के लिए लाइसेंस वांछित नहीं है। ● सार्वजनिक सैक्टर तथा सरकारी कम्पनियों का निजीकरण। ● भारतीय कम्पनियों का बहु-राष्ट्रीय कम्पनियां बनना (कोई अन्य उचित बिन्दु)	1+1+1+1

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
22	**'जनजातियों का वर्गीकरण उनकी ''स्थायी'' और ''ग्रहण की गई'' विशेषताओं के अनुसार किया गया है।'**	
उ.	जन जातियों का वर्गीकरण **स्थायी विशेषक :-** (i) भाषा के आधार पर - इन्डो आर्यन, द्रविड़ु, आस्टीक एवं तिब्बती बर्मी चार भागों में बाँटा है। (ii) क्षेत्र - पारिस्थितिक आवास में पहाड़, जंगल, ग्रामीण मैदान एवं शहरी औद्योगिक क्षेत्र हैं। (iii) शारीरिक विशिष्टताऐं (नस्लीय) - निग्रिटो, आस्ट्रैलाइड मंगोलाइड, द्रविड़, आर्यन। (iv) जनसंख्यां का आकार - बड़ी जनजातियों गोन्ड, भील, सन्थाल, औरावं, मुंडा, मीणा, बोडो एवं सबसे छोटी जनजातियां अण्डेमान द्वीप वासी हैं। (कोई तीन) **(ग्रहण) अर्जित विशेषक :-** (i) जीविका का आधार - मछुआरे, भोजन सग्रांहक शिकारी। (ii) हिन्दु समाज में विलय (शामिल होना)। (iii) हिन्दु समाज के प्रति दृष्टिकोण।	1+1+1 1+1+1
23	**समकालीन भारत में महिलाओं की प्रतिष्ठा में कितना सुधार हुआ है? अपने उत्तर के समर्थन में उदाहरण दीजिए।**	
उ.	महिलाओं की प्रस्थिति का विकास ● महिलाओं के संगठनों का विकास ● महिला आन्दोलन ● कराची काग्रेंस संकल्प में भौलिक अधिकार जैसे अन्य नागरिकों को दिऐ हैं।	

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	● महिलाओं का सशक्तिकरण ● मताधिकार एवं नियोजित योजना में महिलाओं की भागीदारी ● 73 वे संविधान संशोधन में ग्राम पंचायत, लोक सभा आदि में आरक्षण। (कोई अन्य उचित बिन्दु) **अथवा** **सामाजिक असमानता से लोगों में भेदभाव आता है। मूल सिद्धान्तों के प्रकाश में सामाजिक स्तरीकरण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।** सामाजिक संस्तरण के नियम ● सामाजिक संसाधनों तक असमान पहुँच ही इसका आधार है। ● सामाजिक स्तरीकरण समाज की विशेषता है। ● यह पीढ़ी दर पीढ़ी बना रहता है। ● सामाजिक स्टरीकरण को विश्वास या विचार धारा द्वारा समर्थन मिलता है। (कोई अन्य उचित बिन्दु)	1+1+1+1+1+1 2+2+2
24 उ.	**उपनिवेशवाद से सभी क्षेत्रों में बहुत अधिक परिवर्तन आया - चाहे वह कानूनी हो अथवा सांस्कृतिक अथवा वास्तु संबंधी। उदाहरणों द्वारा इस कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।** औपनिवेशीकरण द्वारा परिवर्तन ● मुख्य परिवर्तन औद्योगीकरण तथा नगरीकरण द्वारा हुए। ● मशीनों द्वारा वस्तुओं का उत्पादन तथा परम्परागत विधियों द्वारा उत्पादन का ह्रास (नष्ट) होना। ● नऐ शहरों का उदय। ● पूंजीवाद आर्थिक तन्त्र का प्रभुत्व भाग बन गया। ● लोगों के आवागमन में बढ़ोतरी। ● कृषि प्रणालियों में तथा फसलों के नमूनों में परिवर्तन। (कोई अन्य उचित बिन्दु)	1+1+1+1+1+1

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
25	**दिए हुए गद्यांश को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**	
	(अ) मुद्रण संचार के विभिन्न प्रकार क्या है?	
	अनुच्छेद :-	
उ.	मुद्रण संचार के प्रकार	
	अखबार, मैगजीन, हस्त बिल, किताबें, पैम्फलैट, पत्रिकाऐं	1+1
	(ब) भारतीय भाषाओं के समाचारपत्रों की वृद्धि के लिए किन कारणों को जिम्मेदार माना जा सकता है?	
उ.	भारतीय भाषाओं में समाचारपत्रों की वृद्धि के कारण	
	• शिक्षित लोगों की बढ़ोतरी	
	• स्थानीय समाचारों का प्रवेश	
	• विकसित मुद्रण प्रणाली को अपनाना	
	• प्रबन्धन वर्ग की कार्य विधि का बढ़ना	1+1+1+1